भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी विभाग

पाठ: **<u>कीचड़ का काव्य</u>** कार्यपत्रिका की तिथिः ----------

संसाधन व्यक्ति: श्रीमती बीना स्टिफन तिथिः----------

विद्यार्थी का नाम :---------- कक्षा : IX ब

1.	'पंक' और 'पंकज' शब्द में क्या अंतर है ?	
उ.	'पंक' का अर्थ है -कीचड़ । 'पंकज' का अर्थ है - कमल का फूल । पंक से ही पंकज उत्पन्न होता है । इसलिए उनमें पिता-पुत्र का संबंध है ।	
2.	लोग किन-किन चीज़ों का वर्णन करते हैं ?	
उ.	लोग आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं और जलाशयों (तालाबों) का वर्णन करते हैं ।	
3.	ज़मीन ठोस होने पर उस पर किनके पदचिह्न अंकित होते हैं ?	
उ.	ज़मीन ठोस होने पर अनेक पशु उस पर आकर चहलकदमी करते हैं तथा उछल-कूद करते हैं । इन पशुओं में प्रमुख हैं - गायें, भैंसें, बैल, पाड़े, भेड़ें और बकरियाँ ।भैसों के पाड़े(भैसों के नर बच्चे) तो इस ठोस जमीन पर खूब कुश्ती करते हैं ।	
4.	मनुष्य को क्या भान(realize) होता जिससे वह कीचड़ का तिरस्कार(disrespect) न करता ?	
उ.	मनुष्य को यह भान नहीं है कि उसका पेट भरने वाला सारा अन्न इसी कीचड़ में से उत्पन्न होता है । यदि उसे इस तथ्य का भान होता तो वह कदापि कीचड़ का तिरस्कार न करता ।	
5.	पहाड़ लुप्त(disappear)कर देनेवाले कीचड़ की क्या विशेषता है ?	
उ.	खंभात में माही नदी के सामने जो विशाल और अति गहरा कीचड़ फैला हुआ है, उसमें पूरे का पूरा पहाड़ ही लुप्त हो सकता है । आशय यह है कि कीचड़ ज़मीन मे नीचे बहुत गहराई तक है ।	
6.	कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति(pity) क्यों नहीं होती ?	
उ.	कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति (pity) नहीं होती। कारण यह है कि लोग इसे गंदा मानते हैं । वे न तो इसे छूना पसंद करते हैं, न इसके छींटों(spots) से अपने कपड़े खराब करना पसंद करते हैं । यदि पंक कपड़ों पर लग जाए तो हम कपड़े को मैला	

	मान लेते हैं ।	
7.	कीचड़ सूखकर किस प्रकार के दृश्य उपस्थित करता है ?	
उ.	जब कीचड़ सूख जाता है तब उसके टुकड़े हो जाते हैं और ये टुकड़े सुंदर दृश्य उपस्थित करते हैं । ज्यादा गरमी से इन टुकड़ों में दरारें पड़ जाती हैं और वे टुकड़े टेढ़े हो जाते हैं । तब ये टुकड़े सुखाए हुए खोपरे जैसे सुंदर लगते हैं । नदी किनारे का समतल और चिकना कीचड़ भी सुंदर दृश्य उपस्थित करता है ।	
8.	सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य किन स्थानों पर दिखाई देता है ?	
उ.	सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य नदी के किनारे दिखाई देता है । कीचड़ का पृष्ठ भाग सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य पक्षियों के चलने से उस पर इनके आगे के तीन नाखूनों तथा पीछे अँगूठे के पदचिह्न अनोखे सौंदर्य की सृष्टि करते हैं । सूखी जमीन पर गाय, बैल, पाड़े भैंस, भेड़, बकरे आदि के पदचिह्नों की शोभा भी विशिष्ट होती है । पाड़े के सींगों की छाप भी सौंदर्य उपस्थित करती है ।	
9.	कवियों की धारणा को लेखक ने युक्ति-शून्य क्यों कहा है ?	
उ.	कवियों की धारणा को लेखक ने युक्ति-शून्य ठीक ही कहा है। वे बाहरी सौंदर्य को ध्यान देते हैं , किंतु आंतरिक सौंदर्य और उपयोगिता को बिल्कुल नहीं देखते । ये कविजन कीचड़ में उगने वाले कमल को तो बहुत सम्मान देते हैं किंतु इस बात को भूल जाते हैं कि इसी पंक (कीचड़) में यह पंकज(कमल) उत्पनन होता है ।	
10.	कीचड़ का रंग किन-किन लोगों को खुश करता है ?	
उ.	कीचड़ का रंग इन लोगों को खुश करता है - (i)जो लोग पुस्तकों पर गत्ता चढ़ाते हैं । (ii)घरों की दीवारों को रंगना चाहते हैं । (iii)शरीर पर कीमती कपड़े पहनना चाहते हैं । (iv)कलाभिज्ञों को, जो मिट्टी के पके बरतन पसंद करते हैं । (v) फोटोग्राफरों को । इन सभी लोगों को अपने-अपने कामों के लिए कीचड़ का रंग पसंद आता है । यह रंग उन्हें खुश करता है ।	